

दीपाराम कामर पुखण्ड

नही बनाया है ना ही प्रार्थी/आवेदक
को मामला नै स्थगन हो पावत
किता है। अतः प्रार्थी/आवेदक श्री
सुरेन्द्र पुत्र सुरप्रसाद का प्रार्थना पत्र
बाबत स्थगन नै सिधिलता प्रदान किसे
जाने का वकील किता जाता है।
वथा सिधिलता प्रदान की जाति
है। पत्रावली वास्तु बनाए जाने
रानी की पक्षकार हूँ दिनांक 07/08/25
का पत्र है।

P

7.8.2025 पत्रावली पेश हुई। वकील, प्रार्थीगण
अनुपस्थित रहे। इनके बार बार आवाजे
दिलवाई गई, बावजूद आवाजे प्रार्थीगण
की ओर से कोई हाजिर नही आया।
अतः प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र अदालतरी
अदम पैरवी में खीज किता जाता है।
पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कत
है, बाद तकमील दाखिल दफतर हो।

P

उपखण्ड अधिकारी
रींगस (सीकर)

